

谷野南风

诗词卷

刘兰兴 著



安徽大学出版社

谷野南风

诗词卷

刘兰兴 著

安徽大学出版社

图书在版编目(CIP)数据

谷野南风 / 刘兰兴著. —合肥:安徽大学出版社,2009.6

ISBN 978—7—81110—609—1

I . 谷… II . 刘… III . ①散文—作品集—中国—当代
②诗歌—作品集—中国—当代 IV . I217.2

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2009)第 101746 号

谷野南风

刘兰兴 著

出版发行 安徽大学出版社(合肥市肥西路 3 号 邮编 230039)

联系电话 编辑室 0551-5108438 发行部 0551-5107784

电子信箱 ahdxchps@mail.hf.ah.cn

责任编辑 鲍家全

封面设计 孟献辉

印 刷 合肥远东印务有限公司

开 本 880×1230 1/32

印 张 21.75

字 数 400 千

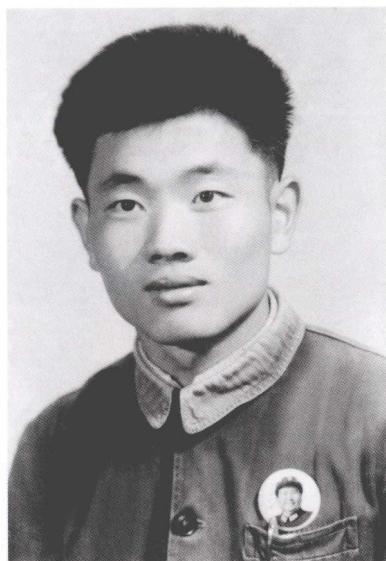
版 次 2009 年 8 月第 1 版

印 次 2009 年 8 月第 1 次印刷

书 号 ISBN 978—7—81110—609—1

定 价 48.00 元(2 卷)

如有影响阅读的印装质量问题,请与出版社发行部联系调换



1967 年于芜湖



1994 年于教研室办公室为论文查找资料



1994 年于西安



2003 年与老伴在长城上

序 言

刘兰兴先生，传道解惑者也。斯人温厚，雅好诗词。继2000年江浦县教委为其隆重推出一本诗词集后，他又有许多新作出炉。这次，他对前版诗词作了一番删改，增加这几年的新作一并整理出版，可谓一大善事也。

这本新作《谷野南风 诗词卷》，洋洋六百多首诗词，为其《北山草》增补修订本。其诗《退休》道：“坦坦途经六十村，得来风景已还人。闲时常至松阴处，坐看诗书卧看云。”这份散淡，这份胸怀！刘兰兴先生，性情中人也。

一卷泥香杂书香，道是人情与乡情。他的诗在芸芸诗众中，已备自家面目。其诗兴之豪，非常人能望其项背。其诗词出之于乡土，化之于肺腑，在风雅颂之间更近于风。每填清新小词，则有江南竹枝情味，意境婉约。其诗词颇具唯美格调，遣词造句绝非滥用笔墨者，而是用功而御、用心而为。他的诗词发乎天然，非为人而作，为作而作者。说句不知深浅的话，就我看来，诗词可算得他生命的一个寓所。

这本诗词集，每页都有招人眼亮之处，正像他的句子“眼前一亮豆苗鲜”，处处生发源自清新泥土的生命气息。“故人爱种瓜三亩，夏日年年盘土酥。未见柳庭新变化，遮阳帽损数圈无。”（《见故人卖瓜感传统种植难富吟》）从一顶遮阳的草帽去写卖瓜人的困顿，申发如何唤醒瓜农的市场意识之感念。《立春词》写春景：“偏是斑鸠呼伴里，啼声句句带春痕。”《种藕》写田景：“昨夜桃花带雨开，隔篱田麦竞头抬。”《山雨》写山景：“千峰雨白暗松屏，一涧水弹花有声。山寺不知藏何处，伞遮僧影过桥行。”句意均十分清新可人。《扬稻》：“风向无常亦有常，东南西北乱荷塘。借扬稻子无须问，抛入云尖弃轻狂。”扬稻的场景中又纳入了理趣，寄寓了爱憎情感，可谓含蓄也。他的诗又每有组作，诗兴奔放，一气呵成，如《乡间十二月》十二首、《樵歌》五首、《捣练子 恋戍》六首等。再举小令两阙，一为《相见欢 丰稔》：“沙溪秋色横舟，一低鸥。千里金黄垂地稻香楼。西江口，绿杨瘦，荻花稠。人在碾场鞭疾报丰收。”一为《采桑子 江村秋晚》：“残阳落去江湾好。渔橹摇霞，轻浪如花。垂柳婆娑雀语哗。新柴小院清香满，风细烟斜。新米锅巴，月照人双试脆牙。”这种农村生活场景的再现以及细节的撷取，充满了对乡土的热恋，这种“新米锅巴”的滋味感人至深。在抒写亲情、友情、旅情及闺情时，无不有其独到的视角与笔墨。值得一提的是，卷中独有一章“一萼红深”，为女性代言，笔触之细致、情感之充沛、题材之广泛，恐令当今须眉折腰。

刘兰兴先生，真解人也。

刘兰兴先生，亦非一味婉约者，其“屐痕拾翠”等章中，就屡见壮阔，如《伊宁河夕照》：“何事晴涛恋夕照，痴情不改直西奔。”《暮观沧海》：“事兴磨难里，敢向海徘徊。”《登泰山玉皇顶》：“览得群山小近日，高寒气势满身腰。”而托物咏志之作亦不乏热力与锋芒，如《吟荻花》：“青眼见风寒泪下，枯霜燭白少年头。”如《蒲公英》：“去久未忘兴国梦，投资故土建华园。”如《题鸭》：“皮囊如鼓犹贪咽，无韵嘎嘎欺凤凰。”刘兰兴先生，亦是肝胆之士也。

欲搁笔前，忽想起该集尚有一大特色，不能不言及。即其注释，可以作为白话之对照，乍看略显长，而细看其中，除注解外，又旁涉创作构思和文句评析，同样倾注心血。说是为子孙准备的，不如说是为不同的读者准备的。就此看来，刘兰兴先生，亦如佛家语云是具老婆婆心者也。

诸位恐于我的序中嗅出鲜味来了。诗词理应发于自然，才有真趣，凡发于自然者自有其不尽精当处，然精当贵在后天的磨炼，是可弥补的，而自然贵在先天的性情，是不可再造的。我之序，正专注于此。

李静风

(作者系中华诗词社常务理事、江城诗社社长)



目 录

序言 1

1

浦风煦煦

| | |
|-----------------|----|
| 驷马河秋夜 | 3 |
| 山岙 | 3 |
| 山村 | 4 |
| 赭洛山 | 4 |
| 乌江 四首 | 5 |
| 晓桥秋爽 十二首 | 6 |
| 七律 老山观鹭 | 8 |
| 游狮子岭寄怀 | 9 |
| 白马溪写晚 | 9 |
| 滁河渔歌 | 10 |
| 西江春月夜 十二首 | 10 |
| 由乌江乘舟北上情动驷马山 五首 | 13 |
| 乌江春晓 十二首 | 14 |

| | | |
|------------|-----|----|
| 驷马月初更 | 十六首 | 17 |
| 村野五更风 | 十首 | 20 |
| 荷边风景 | 十首 | 22 |
| 秋山月色 | 十首 | 23 |
| 秋韵 | 十首 | 25 |
| 西江月 汤农小镇写景 | | 27 |
| 水调歌头 秋野晚唱 | | 27 |
| 高阳台 望阳明 | | 28 |
| 沁园春 醉尧天 | | 29 |
| 六州歌头 二醉珍珠泉 | | 31 |
| 一剪梅 犀牛望月 | | 32 |
| 齐天乐 大谋变市 | | 33 |
| 生查子 狮子岭 | | 35 |
| 采桑子 憨憨的叔子 | 十首 | 35 |
| 苏幕遮 田叟 | 四首 | 38 |
| 阮郎归 上巳节 | 六首 | 40 |

田园野唱

| | | |
|------|--|----|
| 午收 | | 45 |
| 夏夜 | | 45 |
| 抗旱 | | 46 |
| 题暑归宁 | | 46 |



目
录

3

| | |
|---------------|----|
| 采茶娘 | 47 |
| 野览 | 47 |
| 作业词 | 48 |
| 忆种自留地 | 48 |
| 见故人卖瓜感传统种植难富吟 | 49 |
| 樵歌 五首 | 49 |
| 渔姑夕阳弄橹 | 50 |
| 乡间十二月 十四首 | 51 |
| 春闲 | 55 |
| 立春 | 55 |
| 暑情 三首 | 55 |
| 秋雨似稻 | 56 |
| 秋山晓雨 | 56 |
| 谷雨野眺 | 57 |
| 雨夜 | 57 |
| 初霉喜雨 | 58 |
| 汛及闺情 | 58 |
| 捐物 | 58 |
| 宜兴大潮山观涝情 | 59 |
| 弄月 | 59 |
| 年关 | 59 |
| 槐花开 | 60 |
| 芒种词 | 60 |

| | |
|-------|----|
| 山村午览 | 60 |
| 观老妪放牧 | 61 |
| 秋收 四首 | 61 |
| 春词 | 62 |
| 孤夜溯舟 | 62 |
| 仲夏 | 63 |
| 雨中插秧 | 63 |
| 晚锄 | 63 |
| 雨前 四首 | 64 |
| 渔歌子 | 64 |
| 夜渔 | 65 |
| 采菱 | 65 |
| 渔父 浆网 | 65 |
| 渔父 结网 | 66 |
| 渔父 早行 | 66 |
| 渔父 收工 | 66 |
| 渔父 晚归 | 67 |
| 元春 | 67 |
| 听雨 | 67 |
| 闲钓 二首 | 68 |
| 种豆 | 68 |
| 种藕 | 68 |
| 山雨 | 69 |



目
录

5

| | |
|----------|----|
| 春溪 | 69 |
| 蛙语如劝 | 69 |
| 除夕子夜 | 70 |
| 问拜年 | 70 |
| 山村 | 70 |
| 霁月 | 71 |
| | |
| 临江仙 春耕 | 72 |
| 御街行 网撒云雷 | 72 |
| 相见欢 丰稔 | 73 |
| 昭君怨 洗麻 | 73 |
| 昭君怨 看场 | 74 |
| 昭君怨 栽菜 | 75 |
| 南歌子 田家 | 75 |
| 渔父 收卡 | 76 |
| 渔父 张鱼 | 76 |
| 渔父 养鱼翁 | 77 |
| 点绛唇 刁山芋 | 78 |
| 点绛唇 刁花生 | 79 |
| 鹧鸪天 割菜籽 | 80 |
| 观海潮 陌上 | 80 |
| 昭君怨 场中骂 | 81 |
| 采桑子 江村秋晚 | 81 |
| 如梦令 霽雨 | 82 |

| | | |
|-----|-------|----|
| 如梦令 | 洪凶 | 82 |
| 如梦令 | 抗洪 | 82 |
| 如梦令 | 洪降 | 83 |
| 江城子 | 功勒大江潮 | 83 |
| 鹧鸪天 | 采瓜 | 84 |
| 忆江南 | 小镇 | 84 |
| 忆江南 | 假日 | 84 |
| 忆江南 | 留鳜鱼 | 85 |
| 忆江南 | 采茶 | 85 |

一萼红深

| | |
|-----|----|
| 闺劝 | 89 |
| 闺情 | 90 |
| 小池 | 90 |
| 支吾 | 91 |
| 慈母情 | 91 |
| 采莓 | 91 |
| 杏放 | 92 |
| 喜鹊 | 92 |
| 月牙 | 92 |
| 苦志 | 93 |
| 种红豆 | 93 |
| 锄红豆 | 93 |

| | |
|-----------|----|
| 采红豆 | 94 |
| 晾红豆 | 94 |
| 藏红豆 | 94 |
| 怜红豆 | 95 |

| | |
|-----------------|-----|
| 捣练子 恋戍 六首 | 96 |
| 摊破浣溪沙 嫁伤 | 97 |
| 渔家傲 幽恋 | 98 |
| 长相思 寄衣 | 98 |
| 长相思 情恨 | 99 |
| 长相思 醉奁 | 100 |
| 长相思 承包 | 100 |
| 长相思 采菱 | 101 |
| 相见欢 情叹 | 101 |
| 长相思 村戏 | 102 |
| 相见欢 谢荷 | 102 |
| 昭君怨 村妇 | 103 |
| 眼儿媚 大棚情 | 103 |
| 清平乐 军嫂情 | 104 |
| 翠楼吟 风中百合 | 104 |
| 雨霖铃 后悔 | 105 |
| 夜合花 枕怨 | 105 |
| 湘春夜月 离散情 | 106 |
| 戚氏 寡妇泪 | 107 |

| | | |
|------|-----------|-----|
| 倦寻芳 | 等待 | 108 |
| 拜星月慢 | 天气恼人 | 108 |
| 画堂春 | 题情 | 109 |
| 水调歌头 | 商贾 | 109 |
| 双双燕 | 换营巢 | 110 |
| 三字令 | 学电脑 | 111 |
| 迈陂塘 | 失恋女 | 111 |
| 解语花 | 秋圃问月 | 112 |
| 一萼红 | 题青岛海琴姑娘塑像 | 113 |
| 玉蝴蝶 | 白丝带 | 114 |
| 满庭芳 | 觉关 | 114 |
| 鹊桥仙 | 戏题海边美人蕉 | 115 |
| 长相思 | 销魂 | 116 |
| 画堂春 | 毕业待聘 | 116 |
| 画堂春 | 网络情缘 | 117 |
| 怨三三 | 远岫奔眼 | 117 |
| 怨三三 | 一夜情悔 | 118 |
| 祝英台近 | 敢爱 | 118 |
| 碧桃春 | 幽思 | 119 |
| 少年游 | 孤女怨 | 119 |
| 秋波媚 | 采桃 | 120 |
| 秋波媚 | 月朦胧 | 120 |
| 柳梢春 | 闲愁 | 121 |



目
录

9

| | | |
|------|---------|-----|
| 酒泉子 | 采梔情 | 121 |
| 酒泉子 | 瓜为媒 | 122 |
| 采桑子 | 打猪草 | 122 |
| 怨三三 | 借口 | 123 |
| 怨三三 | 晚雨潇潇 | 123 |
| 怨三三 | 大龄怨 | 124 |
| 西江月 | 忧患 | 124 |
| 少年游 | 怀旧 | 125 |
| 调笑令 | 神伤 | 125 |
| 怨三三 | 愁结 | 126 |
| 怨三三 | 更深不解情浓 | 126 |
| 瑞鹤仙 | 钱惹的祸 | 127 |
| 满庭芳 | 追梦 | 127 |
| 买陂塘 | 田上 | 128 |
| 渡江云 | 三桥合龙村姑情 | 128 |
| 烛影摇红 | 玫瑰花 | 129 |
| 八六子 | 一串红 | 129 |
| 南楼令 | 四季梦 | 130 |
| 鸳鸯梦 | 看电影 | 132 |
| 最高楼 | 杜鹃花开杜鹃啼 | 132 |
| 疏影 | 荻芦梦深 | 133 |
| 下水船 | 抽水 | 133 |
| 天香 | 老插梦影 | 134 |